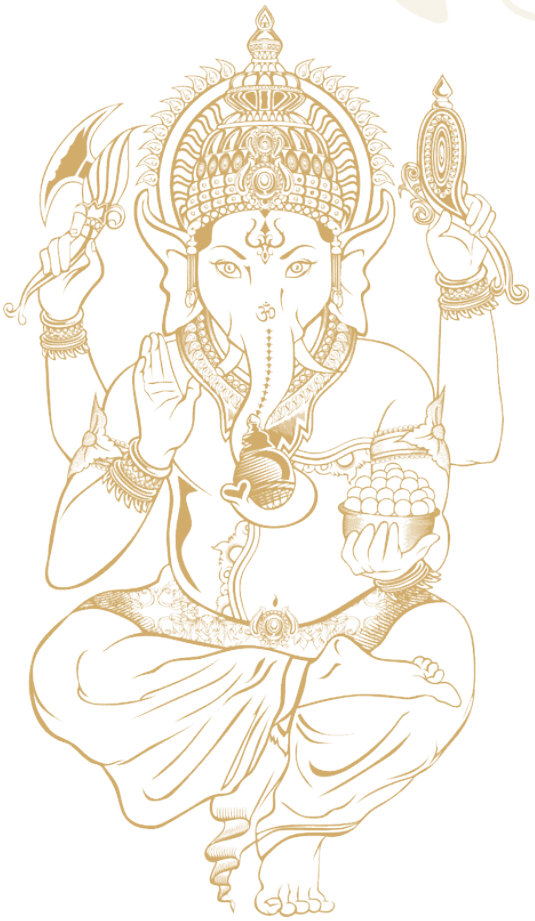

Mr.pradeep

Ms.jwala

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121044101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121044101 Date: 24/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/10/2001	जन्म तिथि	17/10/2000
बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 15:05:00	जन्म समय	11:00:00 घंटे
घटी 22:49:54	जन्म समय(घटी)	12:37:06 घटी
India	देश	India
Mughal Sarai	स्थान	Mughal Sarai
25:18:00 उत्तर	अक्षांश	25:18:00 उत्तर
83:07:00 पूर्व	रेखांश	83:07:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:28	स्थानिक संस्कार	00:02:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:57:02	सूर्योदय	05:57:09
17:28:34	सूर्यास्त	17:28:20
23:52:37	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:48

कुम्भ	लग्न	धनु
शनि	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
तुला	राशि	वृष
शुक्र	राशि-स्वामी	शुक्र
स्वाति	नक्षत्र	रोहिणी
राहु	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
1	चरण	3
विष्कुम्भ	योग	वरियान
बव	करण	कौलव
रू-रूपेश	जन्म नामाक्षर	वी-वीणा
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	चतुष्पाद
महिष	योनि	सर्प
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 15वर्ष 9मा 30दि		12:54:24	कुंभ	लग्न	धनु	05:58:12	चन्द्र 2वर्ष 9मा 1दि	
गुरु		00:12:18	तुला	सूर्य	तुला	00:17:03	राहु	
17/08/2017		08:16:20	तुला	चंद्र	वृष	19:39:42	20/07/2010	
17/08/2033		29:10:26	धनु	मंगल	सिंह	25:04:26	19/07/2028	
गुरु	05/10/2019	23:11:27	कन्या व	बुध	तुला	21:49:27	राहु	01/04/2013
शनि	17/04/2022	21:22:58	मिथु	गुरु व	वृष	16:50:55	गुरु	25/08/2015
बुध	23/07/2024	08:29:39	कन्या	शुक्र	वृश्चि	03:40:02	शनि	01/07/2018
केतु	29/06/2025	20:43:00	वृष व	शनि व	वृष	06:04:08	बुध	18/01/2021
शुक्र	28/02/2028	05:27:23	मिथु व	राहु व	मिथु	25:33:38	केतु	05/02/2022
सूर्य	16/12/2028	05:27:23	धनु व	केतु व	धनु	25:33:38	शुक्र	05/02/2025
चन्द्र	17/04/2030	27:06:32	मक व	हर्ष व	मक	23:04:08	सूर्य	31/12/2025
मंगल	24/03/2031	12:06:55	मक व	नेप	मक	09:55:40	चन्द्र	02/07/2027
राहु	17/08/2033	19:27:29	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	17:09:42	मंगल	19/07/2028

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:52:37 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:48

लग्न-चलित

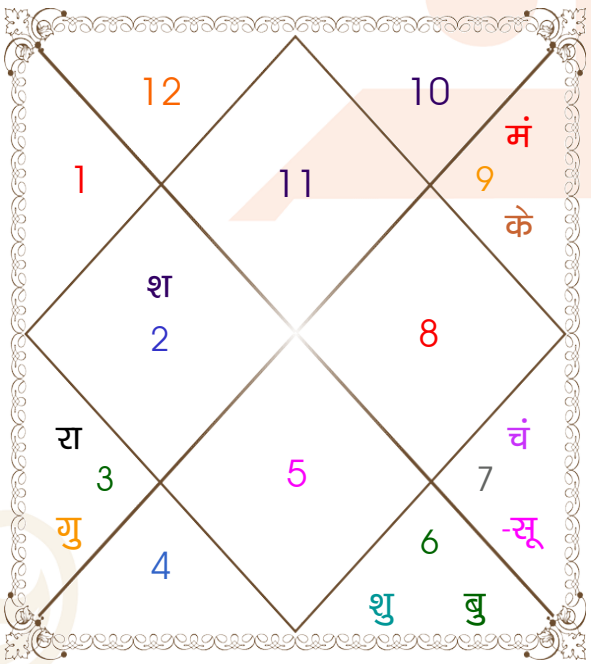

लग्न-चलित

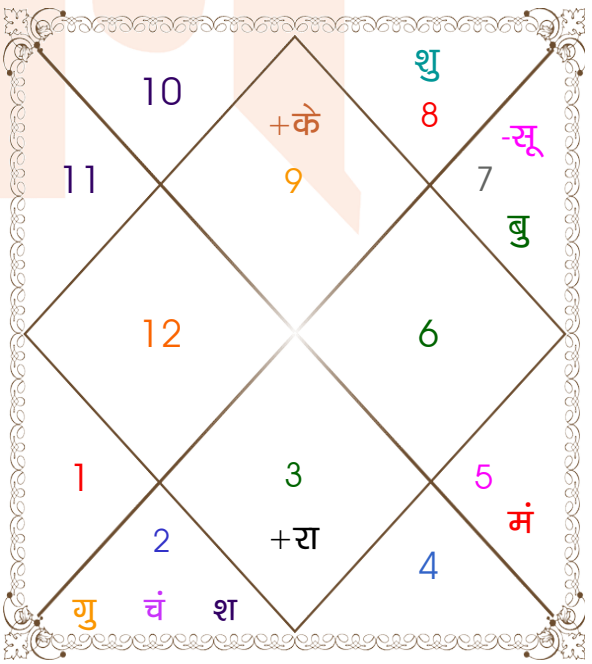

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

कुल : **15.5 / 36**

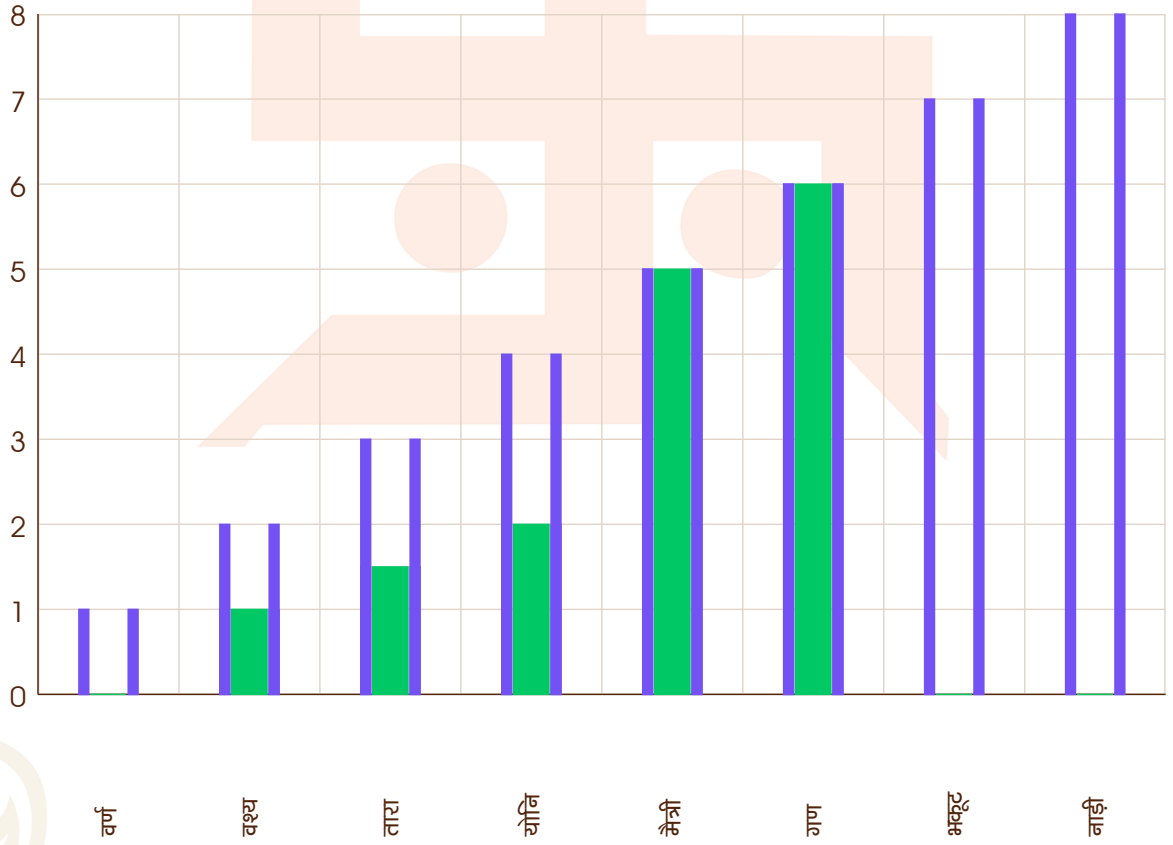

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.jwala का नक्षत्र रोहिणी है।

Mr.pradeep का वर्ग मृग है तथा Ms.jwala का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.pradeep और Ms.jwala का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.pradeep मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms.jwala मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Mr.pradeep तथा Ms.jwala में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.pradeep का वर्ण शूद्र है तथा Ms.jwala का वर्ण वैश्य है। क्योंकि Ms.jwala का वर्ण Mr.pradeep के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ms.jwala अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह Ms.jwala अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

Mr.pradeep का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.jwala का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Mr.pradeep एवं Ms.jwala दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Ms.jwala अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Mr.pradeep अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Mr.pradeep की तारा विपत तथा Ms.jwala की तारा मित्र है। Mr.pradeep की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.pradeep एवं Mr.pradeep के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Ms.jwala हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Ms.jwala को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Mr.pradeep की योनि महिष है तथा Ms.jwala की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.pradeep एवं Ms.jwala दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr.pradeep एवं Ms.jwala दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Mr.pradeep का गण देव तथा Ms.jwala का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ms.jwala अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Mr.pradeep से Ms.jwala की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Ms.jwala से Mr.pradeep की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। Mr.pradeep एवं Ms.jwala दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। Mr.pradeep शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़

सकता है। दूसरी ओर Ms.jwala बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

Mr.pradeep की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms.jwala की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.pradeep एवं Ms.jwala की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.pradeep की जन्मराशि वायुतत्व युक्त तुला तथा Ms.jwala की राशि पृथ्वी तत्व युक्त वृष राशि है। वायु तत्व एवं पृथ्वी तत्व में नैसर्गिक विषमता के कारण Mr.pradeep और Ms.jwala के मध्य स्वभावगत असमानताएं रहेंगी फलतः यदा कदा परस्पर मतभेद एवं विरोध का भाव उत्पन्न होगा परन्तु इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा बुद्धिमता पूर्वक परस्पर सामंजस्य स्थापित करने में समर्थ रहेंगे।

Mr.pradeep तथा Ms.jwala दोनों की जन्म राशि का स्वामी शुक्र है अतः इसके प्रभाव से वैवाहिक जीवन में मित्रता का भाव रहेगा तथा परस्पर सहानुभूति सहयोग तथा समर्पण की भावना भी विद्यमान रहेगी। Mr.pradeep और Ms.jwala एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे इससे इनका वैवाहिक जीवन सुख शांति तथा समृद्धि से पूर्ण होगा तथा दाम्पत्य संबधों में भी मधुरता का भाव विद्यमान रहेगा।

Mr.pradeep और Ms.jwala की राशियां परस्पर अष्टम एवं षष्ठ भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावोंमें न्यूनता आएगी तथा यदा कदा आपस में वैमनस्य तथा विरोध के भाव की भी उत्पति होगी परन्तु दोनों राशियों का स्वामी एक ही ग्रह है अतः आपस में उचित सामंजस्य स्थापित करके अन्य दुष्प्रभावों को दूर करने में समर्थ रहेंगे तथा सुख पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करेंगे।

Mr.pradeep का वश्य मानव तथा Ms.jwala का वश्य चतुष्पद है। अतः मानव एवं चतुष्पद में स्वाभाविक विषमता होने के कारण Mr.pradeep और Ms.jwala की शारीरिक मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर असमानता रहेगी तथा काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Mr.pradeep का वर्ण शूद्र एवं Ms.jwala का वर्ण वैश्य है। अतः इनकी कार्य क्षमता में असमानता रहेगी। Mr.pradeep की प्रवृति किसी भी कार्य को परिश्रम एवं ईमानदारी से करने की रहेगी परन्तु Ms.jwala धनार्जन संबधी कार्यो में तत्पर रहेंगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी।

धन

Mr.pradeep और Ms.jwala दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.pradeep और Ms.jwala दोनों अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुए है। देखने से यद्यपि इसमें नाड़ी दोष का आभास होता है परन्तु दोनों का जन्म विभिन्न नक्षत्रों में हुआ है तथा दोनों की राशि का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः नाड़ी दोष समाप्त हो जाता है। इसके शुभ प्रभाव से Mr.pradeep और Ms.jwala का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को वे परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करके उनमें सफलता अर्जित करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन में प्रसन्नता तथा सन्तुष्टि का भाव बना रहेगा। साथ ही मंगल का भी इनके स्वास्थ्य पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः स्वस्थ एवं प्रसन्नचित रहकर इनका जीवन व्यतीत होगा। इस प्रकार सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह मिलान उत्तम रहेगा।

संतान

संतति की दृष्टि से Mr.pradeep और Ms.jwala का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Mr.pradeep और Ms.jwala को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Mr.pradeep और Ms.jwala के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Ms.jwala का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Ms.jwala के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Ms.jwala सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Mr.pradeep और Ms.jwala को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Mr.pradeep और Ms.jwala का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Ms.jwala के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। Ms.jwala भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर

समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा Ms.jwala भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का Ms.jwala को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr.pradeep के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.pradeep के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Mr.pradeep के प्रति सामान्य ही रहेगा।